1. ऐसी दुनिया हमें चाहिए

उद्देश्य–

- राष्ट्रीय एकता, नव निर्माण एवं विश्व-शांति का संदेश देना।
- काव्य-सौंदर्यानुभूति करना।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- रचनात्मकता जागृत करना।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, लड़ाई-झगड़ा और एकता दिखाने वाले फ्लैश कार्ड, कंप्यूटर, सी. डी आदि।

शिक्षण संकेत–

- बच्चों से कविता में दिए गए 'अभ्यास पाठ से पहले' करने के लिए कहें।
- अब उनसे फ्लैश कार्ड दिखाते हुए पूछें कि उन्हें दोनों में से कौन सा चित्र पसंद है और क्यों?
- उन्हें बताए कि आज हम ऐसी कविता पढ़ने जा रहे हैं जिसमें बच्चे अपनी इच्छा प्रकट कर रहे हैं कि उन्हें कैसी दुनिया चाहिए।
- सी. डी. चलाकर कविता सुनवाएँ तथा दिखाएँ।
- बच्चों से कविता को ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें।
- कविता का सस्वर भावपूर्ण वाचन करें तथा बच्चों से भी अनुकरण करवाएँ। पंक्तियों का भावार्थ समझाएँ।
- कविता के संदेश पर चर्चा करें।
- सी. डी. चलाकर अभ्यास कार्य करवाएँ।
- पुस्तक में दिए गए प्रश्नों पर बच्चों से चर्चा करे तत्पश्चात लिखित कार्य आरंभ करवाएँ। अभ्यास कार्य में बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

भावार्थ– कविता में बच्चे अपने मन की इच्छा प्रकट करते हुए कह रहें कि हमें एक ऐसी दुनिया चाहिए जिसमें चारों ओर अमन हो। लोग आपस में न लड़ें। सच का राज हो और प्रदूषण न हो। सभी को अपनी मेहनता का फल मिले। हमारी दुनिया से भूख और बीमारी सदा के लिए समाप्त हो जाएँ।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बालक कल की दुनिया में क्या नहीं देखना चाहते?

उ०– बालक कल की दुनिया में बंदूक, बारूद और डर नहीं देखना चाहते। वह दुनिया में गंदगी और बीमारी भी नहीं देखना चाहते।

(ख) कल की दुनिया कैसी होगी?

उ०– कल की दुनिया में सच्चाई जीतेगी और झूठ की हार होगी। मेहनत करने वाले लोगों को अपनी मेहनत का फल मिलेगा। साँस लेने के लिए साफ़ हवा मिलेगी। गरीबी और भूख दुनिया से दूर रहेगी।

(ग) दुनिया में हवा मिट्टी और जल कैसे होने चाहिए?

उ०– दुनिया में हवा साफ़ होनी चाहिए। जल और मिट्टी शुद्ध होनी चाहिए।

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

ना तो बंदूक की, ना ही बारूद की।
ऐसी दुनिया हमें चाहिए,
नए रंग रूप की,
जिसमें ना पाठ
पढ़ाया जाए नफ़रत का।

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) सच्चाई – हमें सदा सच्चाई का रास्ता अपनाना चाहिए।

(ख) दुनिया – हमारी दुनिया में सुख और शांति होनी चाहिए।

(ग) पाठ – अध्यापक पाठ पढ़ा रहे हैं।

(घ) रंग-रूप – तितली का रंग-रूप बहुत सुंदर होता है।

भाषा का संसार

1. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

नफ़रत – प्यार	जीत – हार	जल – थल
साफ़ – गंदा	बीमारी – स्वास्थ्य	भूख – प्यास

2. दिए गए वाक्यों में से क्रिया शब्दों को छाँटकर लिखिए–

(क) पढ़ाया (ख) पढ़ रही है। (ग) खेलता है।

(घ) नाच रही है। (ङ) बनाई।

कल्पना की दुनिया

बच्चों से पूछें कि पढ़ी गई कविता के आधार पर वे अपनी दुनिया में क्या देखना चाहते हैं। फिर उनके विचारों को व्यवस्थित रूप देकर अनुच्छेद के रूप में लिखवाएँ।

2. सच्चाई का पुरस्कार

उद्देश्य–

- सच्चाई और ईमानदारी के गुणों का विकास
- भारत के महान व्यक्तित्व के जीवन से परिचय।
- भाषायी कौशलों का विकास
- रचनात्मकता जागृत करना।

सहायक सामग्री– भारत के कुछ महान राष्ट्र नायकों के चित्र, श्याम पट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- छात्रो को पाठ पढ़ाने से पहले भूमिका बनाएँ।
- चित्र दिखाते हुए उनका परिचय भारत के कुछ राष्ट्र नायकों से करवाएँ। किसी एक के जीवन से संबंधित कोई रोचक घटना संक्षिप्त में सुनाएँ।
- आगे बताएँ कि आज हम ऐसे ही एक राष्ट्र पुरुष के जीवन का प्रेरक प्रसंग पढ़ेंगे।
- सी. डी. चलाकर पाठ दिखाएँ और सुनवाएँ।
- बीच में सी. डी. रोक कर छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न करें।
- कठिन शब्द बोर्ड पर लिखकर उनका शुद्ध उच्चारण करें तथा छात्रों से अनुकरण-वाचन करवाएँ।
- शब्दों के अर्थ, समानार्थी शब्द, विलोम शब्द से भी उन्हें अवगत कराएँ।
- अब स्वयं पाठ का आदर्श वाचन तथा भाव स्पष्टीकरण करें।
- तत्पश्चात छात्रों से पाठ के छोटे-छोटे अंशों का आदर्श वाचन करवाएँ।
- पाठ के संदेश पर चर्चा करें।
- सी. डी. चलाकर पाठ से संबंधित अभ्यास करवाएँ।
- पाठ के प्रश्नोत्तर लिखवाने से पहले छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) गृहकार्य देते समय अध्यापक ने बच्चों से क्या कहा?

उ०– गृहकार्य देते समय अध्यापक ने बच्चों से कहा कि सभी सवाल उन्हें बिना किसी की सहायता लिए स्वयं हल करने हैं।

(ख) उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचने के बाद गुरुजी ने क्या कहा?

उ०– उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचने के बाद गुरु जी ने गोपाल को शाबाशी देते हुए कहा कि मैं तुम्हारे काम से बहुत प्रसन्न हूँ, और यह कलम तुम्हें पुरस्कार के रूप में देना चाहता हूँ।

(ग) गोपाल क्यों रोने लगा? उसने गुरुजी को क्या बताया?

उ०– गुरुजी की बात सुनकर गोपाल इसलिए रोने लगा क्योंकि उसने सभी सवाल खुद हल नहीं किए थे। उसके मित्र ने उसकी मदद की थी। उसने गुरु को सच बताते हुए कहा कि मैं पुरस्कार के योग्य नहीं हूँ एक सवाल मेरे मित्र ने हल किया है।

2. वाक्यों को क्रम में लगाइए–

1. गुरुजी ने कुछ सवाल बच्चों को हल करने के लिए दिए।
2. गुरु जी मैंने सभी सवाल कर लिए।
3. बच्चो यह गृहकार्य है।
4. माँ ने कहा, बेटा पहले खाना खा लो।
5. यह सवाल मेरी समझ में नहीं आ रहा है।
6. गोपाल ने अपने मित्र की सहायता से वह सवाल हल कर लिया।
7. गुरु जी ने सभी बच्चों की उत्तर पुस्तिकाएँ जाँची। केवल गोपाल ने ही सभी सवाल हल किए थे।
8. गुरु जी मैं इस पुरस्कार के योग्य नहीं हूँ।
9. यह पुरस्कार तुम्हें सच्चाई के लिए दिया जा रहा है।
10. महात्मा गांधी, गोपाल कृष्ण गोखले को अपना गुरु मानते थे।

3. किसने कहा? किससे कहा? कब कहा?

(क) गुरु जी ने गोपाल से कहा। जब वह पुरस्कार पाने की बात पर रोने लगा।

(ख) गुरु जी ने गोपाल से कहा। जब उसने सच बताया।

भाषा का संसार

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

शाबाशी	सच्चाई
सावधानी	बुराई
अच्छाई	गहराई

2. लिंग पहचान कर अलग-अलग लिखिए–

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**
सवाल	पुस्तिका
गुरुजी	कक्षा
बच्चे	शाबाशी
	प्रशंसा
	कलम

3. 'र' के सभी रूपों का प्रयोग करके दो-दो शब्द बनाइए–

र – रक्षक, रात

्र – प्रभात, प्रकाश

्र – ट्रक, ड्रामा

र् – पर्वत, कर्म

कल्पना की दुनिया

- बच्चों से पूछे कि क्या उन्होंने कभी डाँट खाने के डर से झूठ बोला है? और क्या कभी ऐसा भी हुआ है कि उन्होंने बिना डरे सच बोला हो?
- दोनों परिस्थियों में हाँ/नहीं के पीछे क्या कारण थे, जानने का प्रयास करें।
- उनके विचारों को सुव्यवस्थित रूप देकर लिखने के लिए कहें।

सूझ-बूझ/जीवन कौशल

- बच्चों से कहें कि दी गई परिस्थितियों में वे क्या करते हैं और क्या नहीं लिखें।
- गोपाल की जगह यदि वे होते तो क्या करते लिखें।

3. एक मटकी घी

उद्देश्य–

- धैर्य और परिश्रम की भावना पर बल।
- उचित निर्णय लेने की झमता का विकास।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- स्वयं उत्तर लिख पाने की कला का विकास।

सहायक सामग्री–

शिक्षण संकेत–

- पाठ आरंभ करते समय 'पाठ से पहले' करवाएँ।
- सी. डी. चलाकर पाठ दिखाएँ और सुनवाएँ।
- सी. डी. रोक कर छोटे-छोटे प्रश्न पूछें और छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित करें।
- कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। उनके अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग बताएँ। बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी?
- तत्पश्चात पाठ का भावपूर्ण आदर्श वाचन करें।
- पाठ के संदेश पर चर्चा करें।
- बच्चों से पाठ के छोटे-छोटे अंशों का वाचन करवाएँ। उच्चारण की शुद्धता पर विशेष बल दें।
- सी. डी. चलाकर पाठ के अभ्यास कार्य बच्चों से करवाएँ।
- पाठ के प्रश्नों पर छात्रों के साथ चर्चा करें। तत्पश्चात कार्य आरंभ करवाएँ।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सुधा भेड़ के दूध का क्या करती थी?

उ०– सुधा थोड़ा दूध पी लेती थी। बचे हुए दूध से दही जमाती थी। दही से मक्खन निकालकर छाछ बनाती थी। वह छाछ पी लेती थी और मक्खन से घी बनाती थी।

(ख) जब सुधा की आँख खुली तब उसने क्या देखा?

उ०– जब सुधा की आँख खुली तब उसने देखा कि उसकी घी की मटकी एक औरत अपने सिर पर रखकर जा रही है।

(ग) हाकिम ने किस प्रकार फैसला किया कि मटकी किसकी है?

उ०– हाकिम ने दोनों स्त्रियों से कहा कि उसका चाँदी का सिक्का कीचड़ में गिर गया है, उसे ढूँढ़कर लाओ। दोनों कीचड़ में सिक्का ढूँढ़ने लगीं जब दोनों कीचड़ से लथपथ होकर वापस आई तब उसने दोनों को एक-एक लोटा पानी दे दिया। सुधा ने उससे अपने हाथ-पैर साफ़ करके थोड़ा पानी बचा लिया, लेकिन दूसरी स्त्री ऐसा नहीं कर पाई। तब हाकिम समझ गया कि बचत करके सुधा ने ही घी बनाया होगा। यह मटकी सुधा की है।

2. वाक्यों को कहानी के क्रम से लगाइए–

1. सुधा बचे दूध से दही जमाकर छाछ, मक्खन और घी बनाती थी।
2. सुधा थोड़ी देर आराम करने के लिए पेड़ की शीतल छाया में बैठ गई।
3. एक औरत सिर पर मटकी रखे जाती दिखाई दी।
4. यह मटकी मेरी है, तुम्हें क्यों दूँ?
5. लोग दोनों को हाकिम के पास ले गए।
6. कृपया इससे मुझे मेरी मटकी दिला दें।
7. तुम्हारे पास कोई सबूत है?
8. हाकिम ने दोनों को कीचड़ में से चाँदी का सिक्का ढूँढ़कर लाने को कहा।
9. सुधा ने लोटे के पानी से हाथ-पैर धोकर थोड़ा पानी बचा भी लिया।

3. पठित बोध

(क) 'हुजूर' शब्द हाकिम के लिए प्रयोग किया गया है।

(ख) मटकी में घी था।

(ग) मटकी सुधा की थी इसलिए वह उसे वापस माँग रही थी।

4. किसने कहा? किससे कहा? कब कहा?

(क) दूसरी स्त्री ने सुधा से कहा।
जब सुधा ने अपनी मटकी उससे माँगी।

(ख) दूसरी स्त्री ने हाकिम से कहा।
जब हाकिम ने उससे सफ़ाई माँगी।

(ग) हाकिम ने दोनों स्त्रियों से कहा।
जब वह फ़ैसला सुना रहा था।

7. शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) शीतल – वृक्ष हमें शीतल छाया देते हैं।

(ख) वास्तव – वास्तव में राजा कुछ नहीं समझ सका।

(ग) नगर – वैशाली एक विशाल नगर था।

(घ) संयम – भोजन करते समय थोड़ा संयम बरतना चाहिए।

भाषा का संसार

1. दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखिए–

(क) अदालत – कचहरी
(ख) महीना – माह
(ग) स्त्री – औरत
(घ) जल – पानी
(ङ) शहर – नगर
(च) यात्रा – आवा-जाही

2. संज्ञा शब्दों को उचित विशेषण शब्दों से मिलाइए–

औरत	–	लालची	पेड़	–	हरा-भरा
साड़ी	–	सुनहरी	भोजन	–	स्वादिष्ट
घर	–	आलीशान	कहानी	–	मज़ेदार

3. 'कि' तथा 'की' लगाकर वाक्य जोड़िए और लिखिए–

(क) राजा मेहनत की कद्र अवश्य करेंगे।

(ख) उसने सोचा कि मैं बीज बो दूँगा।

(ग) बीजों की थैली लाओ।

(घ) राजा समझ गए कि संगीता मेहनती है।

कल्पना की दुनिया

- अध्यापक छात्रों से पूछें कि क्या कभी ऐसा हुआ है कि उन्होंने झूठ बोला हो और पकड़े गए हों? यदि हाँ तो कब? कहाँ और क्यों? अंत में क्या हुआ?
- कुछ बच्चों के अनुभव जानने के बाद उनके विचारों को सुव्यवस्थित रूप दें और अनुच्छेद के रूप में लिखवाएँ।

4. सुखी रहें भीतर से

उद्देश्य–

- संतोष व आनंद से जीवन जीने का महत्त्व समझना।
- काव्य-सौंदर्यानुभूति।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- रचनात्मकता जागृत करना।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, सी. डी. चॉक, डस्टर, कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- बच्चों से उनके मन की इच्छाएँ जानिए। जैसे– उन्हें क्या खाना पसंद है? बाग-बगीचों में घूमना कैसा लगता है? विद्यालय आना कैसा लगता है? आदि।
- अब उन्हें बताएँ कि आज हम बच्चों की पसंद बताने वाली कविता पढ़ने जा रहे है।
- सी. डी. चलाकर कविता दिखाएँ व सुनवाएँ बच्चों से कहें कि वे ध्यानपूर्वक कविता सुनें।
- कठिन शब्द बार्ड पर लिखकर उनके अर्थ बताएँ उनके पर्याय तथा विलोम शब्दों की जानकारी भी दें।
- बच्चों से पूछें कि उन्हें कविता कैसी लगी?
- अब स्वयं कविता का सस्वर वाचन करें और छात्रों से अनुकरण-वाचन करवाएँ।
- गृहकार्य के रूप में कविता कंठस्थ करके आने के लिए कहें। अगले दिन कक्षा में कविता सुनें।
- सी. डी. में दिया गया कविता का अभ्यास छात्रों से करवाएँ।
- पुस्तक में दिए गए अभ्यास प्रश्नों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। प्रयास करें कि छात्र स्वयं प्रश्नों के उत्तर लिखें।
- आवश्यकतानुसार उन्हें सहयोग दें तथा त्रुटियों में संशोधन करें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) जेब में खाने की चीज़ें भरकर बच्चे क्या करना चाहते हैं?

उ०– बच्चे जेबों में खाने की चीज़ें भरकर गली-मोहल्ले में खेलना और शोर मचाना चाहते हैं।

(ख) कवि ने दुनिया में किसी से भी न डरने की बात क्यों की हैं?

उ०– यह संसार सभी प्राणियों का घर हैं, इसलिए यहाँ सभी को मिल-जुलकर और निडर होकर रहना चाहिए।

(ग) यदि सभी मिलजुल कर रहें, तब क्या होगा?

उ०– यदि सभी मिलजुल कर रहें तब यह दुनिया स्वर्ग के समान खुशहाल हो जाएगी। चारों ओर अमन और चैन होगा।

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

करें दोस्ती पेड़-फूल से
लहर-लहर से नदी-नदी से

आगे-पीछे, ऊपर-नीचे,
रहें हँसी की रेखा खींचे,
पास-पड़ोस, गाँव-घर-बस्ती,
प्यार ढेर करें सभी से।

4. शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) पास-पड़ोस – सदा अपने आस-पड़ोस में सफ़ाई रखें।
(ख) लहर – सागर में तूफ़ानी लहरें उठने लगीं।
(ग) ऊधम – बच्चे कक्षा में ऊधम मचा रहे थे।
(घ) दुनिया – दुनिया में अनेक देश हैं।

भाषा का संसार

1. दिए गए संयुक्ताक्षरों से दो-दो शब्द बनाइए–

त्म – आत्मा, महात्मा क्त – रक्त, भक्त स्त – बस्ता, रास्ता

2. शब्दों को स्त्रीलिंग तथा पुल्लिंग के आधार पर अलग कीजिए–

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
साँझ	पेड़
बिजली	फूल
रात	गाँव
नदी	बादल
बस्ती	दूध

3. शब्दों के समानार्थी शब्द कविता से ढूँढ़कर लिखिए–

मेघ – बादल प्रातः – सुबह रात्रि – रात
सरिता – नदी दुग्ध – दूध संसार – दुनिया

कल्पना की दुनिया

- बच्चों से पूछें जिस दिन स्कूल जोने का मन न हो, तब वे क्या बहाना बनाते हैं? वे किस तरह माता-पिता को छुट्टी करने के लिए मनाते हैं आदि।
- बच्चों के विचार जानकर उन्हें व्यवस्थित रूप दीजिए और दिए गए स्थान में लिखवाइए।

सूझबूझ/जीवन कौशल

- बच्चे अपने काम व्यवस्थित ढ़ंग से करते हैं या नहीं यह जानने के लिए दी गई स्थितियों पर उनकी प्रतिक्रिया जानिए ✓/✗ का चिह्न लगवाइए।
- कार्य करने या स्मरण रखने का उचित तरीका बताइए।

खेल-खेल में

- पुस्तक में दिए गए कैलेंडर में विशेष अवसरों त्योहारों आदि की तिथियों को रंग से भरने या चिह्न बनाने के लिए कहें। जैसे जन्मदिन के लिए केक, दीपावली के लिए दीपक, होली के लिए रंग रक्षा बंधन के लिए राखी आदि।

5. कंजूस सेठ

उद्देश्य–

- लोक कथा शैली से परिचय।
- कंजूसी जैसे अवगुण से दूर रहने की प्रेरणा।
- आदर्श जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहन।
- रचनात्तमक कौशल का विकास।
- भाषा के चारों कौशलों के विकास पर समान बल।

सहायक सामग्री– श्याम पट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- बच्चों को बताएँ कि भारत के अलग-अलग राज्यों में लोक कथा शैली प्रचलित हैं।
- पुराने समय में अपने मनोरंजन के लिए लोग नाचते, लोक गीत गाते और किस्से कहानियाँ सुनाते थे। ये किस्से कहानियाँ बड़े रोचक होते थे।
- आज हम गुजरात की एक लोक कथा पढ़ेंगे।
- पाठ का आरंभ करने से पहले 'पाठ से पहले' गतिविधि करवाएँ। बच्चों के विचार जानें।
- सी. डी. चलाकर लोककथा सुनवाएँ तथा दिखाएँ। बच्चों से कहें कि वे ध्यानपूर्वक कथा सुनें।
- बीच-बीच में छोटे-छोटे प्रश्न भी पूछें ताकि छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।
- पाठ से मिलने पर शिक्षा पर चर्चा करें।
- पाठ का भावपूर्ण आदर्श वाचन करें तथा लेखक का मंतव्य स्पष्ट करते जाएँ।
- तत्पश्चात छात्रों से भी पाठ का आदर्श वाचन करवाएँ। भाषा के शुद्ध उच्चारण पर विशेष ध्यान दें। समय-समय पर त्रुटि शोधन करें।
- सी. डी. चलाकर पाठ के अभ्यास कार्य छात्रों से करवाएँ। ताकि पाठ में छात्रों की रूचि बनी रहे।
- पाठ में दिए गए अन्य प्रश्नों पर चर्चा करे। और छात्रों को सहयोग देते हुए लिखित कार्य करवाएँ।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सेठ और सेठानी का स्वभाव कैसा था?

उ०– सेठ – सेठ बहुत कंजूस था। वह हमेशा सोचता रहता कि सेठानी कम पैसे खर्च करे।
सेठानी – सेठानी खाने-पीने की बहुत शौकीन थी। सेठ जब घर पर रहता तब वह कम खाती थी और जब सेठ बाहर चला जाता, तब वह पकवान बनाकर खाती थी।

(ख) एक दिन सेठ ने क्या सोचा?

उ०– एक दिन सेठ ने सोचा कि मैं छुपकर देखूँगा कि मेरे जाने के बाद सेठानी क्या करती है?

(ग) सेठ जी के दूसरे गाँव जाने की बात सुनकर सेठानी क्यों खुश हो गई?

उ०– सेठ जी के दूसरे गाँव जाने की बात सुनकर सेठानी इसलिए खुश हो गई क्योंकि अब वह खूब पकवान बनाकर खा सकती थी। उसे सेठ के जल्दी वापस लौटने का डर भी नहीं रहता।

(घ) सेठानी रात में कितनी बार उठी? उसने हेतल से क्या-क्या बनवाकर खाया?

उ०– सेठानी रात में चार बार उठी और उसने रात भर हेतल से मीठे पूड़े, मठरियाँ, हलुवा और पापड़ आदि बनवाकर खाएँ।

2. पठित बोध–

(क) सेठानी ने लड़की से क्या बनाने को कहा?

उ०– सेठानी ने लड़की से हलुवा बनाने को कहा?

(ख) लड़की कौन थी?

उ०– लड़की सेठानी की पड़ोसी थी। उसका नाम हेतल था।

(ग) लड़की ने हलुए में क्या डाला?

उ०– लड़की ने हलुए में खूब सारा घी डाला।

3. वाक्यों को कहानी के क्रम से लिखो–

1. इतना सामान लाता हूँ, पता नहीं जल्दी कैसे खत्म हो जाता है।
2. अरे यह तो बहुत दुष्ट है।
3. तुम छह-सात मठरियाँ बना लो।
4. थोड़ा हलवा बना लो।
5. अब सवेरा होने वाला है।
6. आप तो पाँच-सात दिन के लिए गाँव गए थे।
7. रास्ते में कुछ अपशकुन हुआ, इसलिए वापस आ गया।

4. किसने कहा? किससे कहा? कब कहा?

(क) हेतल ने सेठानी से कहा।
जब सेठानी ने हेतल से पूछा कि कितनी रात हुई है?

(ख) सेठ जी ने सेठानी से कहा।
जब वह अपने मित्र के घर जा रहे थे।

5. लिखकर दोहराइए-

छात्रों से दो-दो बार कठिन शब्द लिखने के लिए कहें। ताकि वर्तनी अशुद्धि की संभावना कम हो सके।

6. श्रुतलेख–

अध्यापक पाठ के किसी भी एक-दो अनुच्छेदों का श्रुतलेख ले ताकि सुनकर लिखने की क्षमता का विकास हो सके।

7. शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) दुष्ट – हमें दुष्ट लोगों से दूर रहना चाहिए।

(ख) चटोरी – बिल्ली बहुत चटोरी होती है।

(ग) कंजूस – गाँव में एक कंजूस बनिया रहता था।

(घ) गठरी – चोर ने सारा सामान गठरी में बाँध लिया।

भाषा का संसार

1. शब्द पहेली पूरी कीजिए–

गरीब, बकरी, रीछ, छतरी, रील, लड़की, कील

2. में/पर/ऊपर का उचित प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए–

(क) में (ख) पर (ग) ऊपर (घ) में, पर

3. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

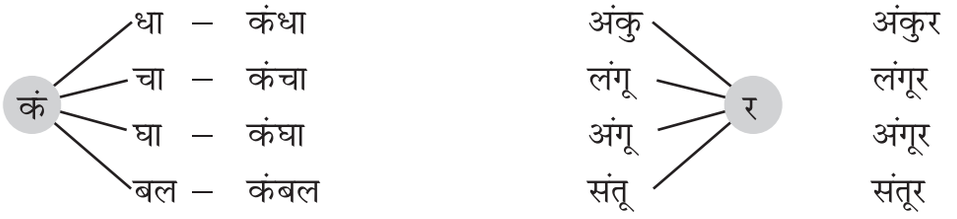

कल्पना की दुनिया

छात्रों से चित्र ध्यानपूर्वक देखने के लिए कहें। अब एक छात्र से पूछें कि पहले चित्र में क्या दिखाई दे रहा है, दूसरे छात्र से पूछें कि दूसरे चित्र में क्या दिख रहा है, ऐसा करते-करते सभी से चित्रों के संबंध में उनके विचार जानें।

अब उन विचारों का सुव्यवस्थित रूप दें और लिखने के लिए कहें। कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिख दें।

श्रवण-कौशल

पुस्तक के अंत में दी गई पठन सामग्री को धीमी गति से दो बार पढ़ें तथा छात्रों से कहें कि वे दी गई जानकारी को ध्यान पूर्वक सुनते हुए ✓/× का चिह्न लगाएँ।

6. लापरवाह कबीर

उद्देश्य–

- व्यवस्थित जीवन का महत्व समझना।
- अपना कार्य स्वयं करने की भावना पर बल।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- रचनात्मकता जागृत करना।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ आरंभ करने से पहले भूमिका बनाएँ। छात्रों से पूछें कि विद्यालय आते समय और विद्यालय से घर लौटकर वे क्या-क्या करते हैं?
- अब उन्हें पाठ के आरंभ में दी गई गतिविधि 'पाठ से पहले' ईमानदारी से करने के लिए कहें। किस छात्र को कितने अंक मिले देखें।
- सी. डी. चलाकर पाठ सुनवाएँ तथा दिखाएँ। छात्रों से पाठ ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें।
- सी. डी. रोककर छोटे-छोटे प्रश्न पूछें और कठिन शब्द बोर्ड पर लिखकर उनके अर्थ, समानार्थी, विलोम शब्द बताएँ।
- तत्पश्चात पाठ के मुख्य संदेश पर चर्चा करें।
- अब स्वयं पाठ का आदर्श वाचन करें।
- कक्षा के कुछ बच्चों को पाठ के पात्रों का रूप दें और संवादात्मक शैली में पाठ का वाचन करवाएँ।
- सी. डी. चलाकर पाठ के विविध अभ्यास छात्रों से ही करवाएँ।
- पाठ के अन्य प्रश्नों पर छात्रों से चर्चा करें एवं लिखित कार्य आरंभ करवाएँ।
- पुस्तक के साथ संलग्न अतिरिक्त कार्य पत्रिका के अभ्यास भी करवाएँ।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कबीर ने विद्यालय से लौटकर क्या किया?

उ०– कबीर ने विद्यालय से लौटते ही हमेशा की तरह अपना बस्ता मेज़ पर पटक दिया। जूते उतारकर कमरे के कोने में फैंक दिए और अपनी गेंद उठाकर खेलने के लिए चल पड़ा।

(ख) पेंसिल ने क्या शिकायत की?

उ०– पेंसिल ने शिकायत करते हुए कहा कि कबीर उसे यहाँ-वहाँ फैंक देता है। जिसके कारण उसकी नोंक टूट जाती है। वह उसे बार-बार छीलता है जिससे उसे बहुत दर्द होता है

(ग) कबीर की पुस्तक और कॉपी का क्या हाल था?

उ०– कबीर की पुस्तक और कॉपी के पृष्ठ और जिल्द फटे हुए थे और गंदे थे वह उन्हें भी यहाँ–वहाँ पटक देता था इसलिए उन्हें भी बहुत दर्द हो रहा था।

(घ) कबीर ने क्या कहकर सबसे माफ़ी माँगी?

उ०– कबीर ने सबसे कहा कि मैं बहुत शर्मिंदा हूँ। मुझे क्षमा कर दो अब मैं तुम्हें बहुत संभालकर रखूँगा और सफ़ाई का ध्यान भी रखूँगा।

2. दिए गए वाक्य किसने कहे? पाठ के आधार पर उचित मिलान कीजिए–

(क)	मैं कितनी काली हो गई हूँ।	– रबड़
(ख)	आह! बहुत दर्द हो रहा है।	– जूते
(ग)	हमारें पृष्ठ भी फट गए हैं।	– पुस्तक
(घ)	वह काम भी अधूरा करता है।	– कॉपी
(ङ)	मैं इधर–उधर पड़ी रहती हूँ।	– पेंसिल
(च)	स्कूल से आते ही हमें कोने में पटक देता है।	– जूते

4. शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) दुर्गंध – सड़क पर पड़े कूड़े से दुर्गंध आ रही थी।

(ख) ज़िल्द – पुस्तक पर ज़िल्द चढ़ानी चाहिए।

(ग) अक्षर – सुधा ने मोती जैसे सुंदर अक्षर लिखे थे।

(घ) प्रयास – प्रयास करने पर सफलता अवश्य मिलती है।

भाषा का संसार

1. का, के, की लगाकर वाक्य पूरे कीजिए

(क) के (ख) का (ग) की (घ) का (ङ) की

2. अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) लगाकर शब्द बनाइए–

अँगूठी	चाँदनी	बंदर
अंदर	तिरंगा	माँगना
छलाँग	संतरा	मंगल
काँपना	कुआँ	जंगल

3. शुद्ध वर्तनी पर गोला लगाइए–

बीमारी, पढ़ाई, इसलिए, छुट्टियाँ

4. दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द वर्ग पहेली से ढूँढ़कर लिखिए–

आसमान	–	आकाश	संसार	–	जगत
शरीर	–	तन	मनुष्य	–	इनसान

कल्पना की दुनिया

- पुस्तक में दिए गए चित्र को ध्यान पूर्वक छात्रों से देखकर उन वस्तुओं पर गोला लगाने के लिए कहें। सही स्थान पर नहीं रखी गई।
- अब उनसे पूछें कि ये वस्तुएँ आप कैसे व्यवस्थित ढ़ंग से सजाएँगे?
- विचार जानने के बाद उनसे कहें कि अब अपने विचारों को छः-आठ वाक्यों में लिखें।

सूझ-बूझ/जीवन कौशल

- बच्चों से कहें कि दी गई सूची को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही कथनों पर ✓ तथा गलत पर × का चिह्न लगाएँ।
- इससे बच्चे स्वयं को परख सकेंगे कि वे क्या सही कर रहे हैं और क्या नहीं।

श्रवण-कौशल

- पुस्तक के अंत में दी गई पठन सामग्री को (अथवा सी. डी. चलाकर) धीमी गति से दो-तीन बार पढ़ें/ सुनवाएँ।
- छात्रों से कहें कि जानकारी को ध्यानपूर्वक सुनते हुए सही खाने में सही सामान लगाएँ।
- इससे बच्चों सुनकर ध्यान रखने के कौशलों का विकास होगा।

7. व्यर्थ मत बहाओ पानी

उद्देश्य–

- जल संरक्षण हेतु प्रेरित करना।
- प्राकृतिक संसाधनों के महत्त्व को समझना।
- काव्य-सौंदर्यानुभूति।
- भाषायी कौशलों का विकास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ आरंभ करने से पहले पाठ में दिए गए अभ्यास 'कविता से पहले' करवाएँ। चित्रों पर बच्चों के साथ चर्चा करे। अभ्यास से संबंधित प्रश्न पूछें तथा स्वयं भी जानकारी दें। उन्हें बताएँ कि धरती पर स्वच्छ जल का अभाव दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, इसलिए सोच-समझ कर जल का उपयोग करें।
- सी. डी. चलाकर कविता सुनवाएँ तथा दिखाएँ। बच्चों से अनुकरण-वाचन करने के लिए कहें।
- कविता में आए कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखकर उनके अर्थ बताए तथा व्यावहारिक प्रयोग भी करवाएँ।
- तत्पश्चात स्वयं कविता का सस्वर वाचन करें तथा पंक्तियों का भाव समझाएँ।
- बच्चों से कहें कि वे कविता कंठस्थ करके आएँ और कक्षा में सुनाएँ।
- छात्रों से कविता के मुख्य संदेश के बारे में पूछें।
- सी. डी. चलाकर कविता से संबंधित अभ्यास कार्य छात्रों से करवाएँ।
- पाठ में दिए गए अन्य अभ्यास कार्यों पर चर्चा करें। अपनी निगरानी में समस्त अभ्यास कार्य उत्तर पुस्तिका अथवा पुस्तक में करवाएँ।
- आवश्यकतानुसार परामर्श दें और बच्चों का उचित मार्गदर्शन करें।

भावार्थ– हमें पानी बेकार नहीं बहाना चाहिए क्योंकि यह धरती पर जीवन का आधार है। यदि जल समाप्त हो गया तो धरती पर जीवन भी समाप्त हो जाएगा। खेतों में अन्न नहीं उगेगा, धरती सूखे रेगिस्तान में बदल जाएगी। हमें वृक्ष लगाने चाहिए क्योंकि वे धरती पर वर्षा लाने में सहायता करते हैं, जिससे सभी को जल मिलता है।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) यदि धरती से पानी खत्म हो गया, तो क्या होगा?

उ०– यदि धरती से पानी खत्म को गया, तो पृथ्वी से जीवन समाप्त हो जाएगा और यह धरती नष्ट हो जाएगी।

(ख) बादल के लिए 'उपकारी' शब्द का प्रयोग क्यों किया गया है?

उ०– बादल वर्षा लाते हैं। वर्षा से धरती हरी-भरी हो जाती है और सभी प्राणियों का भला होता है, इसलिए बादलों को उपकारी कहा गया है।

(ग) हम पानी को किस प्रकार व्यर्थ गँवाते हैं?

उ०– हम नहाते, ब्रश करते, बर्तन-कपड़े धोते समय पानी को व्यर्थ गँवाते हैं।

(घ) पेड़ क्यों लगाने चाहिए?

उ०– पेड़ वर्षा लाने में सहायक होते हैं। साफ़ हवा देते हैं। ये धरती को हरा-भरा रखते हैं। जिससे बादल आते हैं और वर्षा होती है, इसलिए हमें पेड़ लगाने चाहिए।

2. कविता की पंक्तियाँ पुरी कीजिए–

सदा हमें समझाती नानी
व्यर्थ मत बहाओ पानी
हुआ अगर यह समाप्त धरा से
मिट जाएगी सारी जिंदगानी
हरी-भरी होती जहाँ धरती
आते वहीं बादल उपकारी
खूब गरजते खूब बरसते
जिससे होती वर्षा भारी।

3. बच्चों से कहें कि कठिन शब्दों को दो-तीन बार लिखकर दोहराएँ ताकि वर्तनी अशुद्धि की संभावना कम हो सके।

4. अध्यापक कविता के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

5. शब्दों की सहायता से वाक्य बनाइए–

(क) वीरान – पेड़ कटने से धरती वीरान हो जाएगी।

(ख) व्यर्थ – हमें समय व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए।

(ग) रेगिस्तान – गुजरात में कच्छ रेगिस्तान है।

(घ) अनमोल – हमारा जीवन बहुत अनमोल है।

भाषा का संसार

1. देखिए, समझिए और लिखिए–

गरजता	–	गरजते	बरसता	–	बरसते
सिक्का	–	सिक्के	दाना	–	दाने
हरा	–	हरे	भरा	–	भरे

2. ओर/ और भरकर वाक्य पूरे करो।

(क) राजा और मंत्री महल की ओर चल दिए।

(ख) यह रास्ता पाठशाला की ओर जाता है।

(ग) रवि और संदीप खेल रहे हैं।

(घ) इस वर्ष में पढ़ाई की ओर ध्यान दूँगा और अच्छे अंक लाऊँगा।

3. कविता से चार संज्ञा शब्द छाँटकर लिखो–

वर्षा बादल पानी वृक्ष

4. कविता से चार क्रिया शब्द खोजकर लिखो–

उगेगा लगती बरसते गरजते

कल्पना की दुनिया

- कविता पढ़ने के बाद बच्चे जान गए होंगे कि धरती पर पानी की समस्या प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। पानी जीवन का आधार है। उनसे पूछिए यदि उन्हें एक दिन पीने के लिए पानी न मिले तो उनकी क्या दशा होगी? वे कैसे अपनी प्यास बुझाएँगे? क्या करेंगे? क्यों करेंगे?
- चर्चा के बाद विचारों को व्यवस्थित रूप दें और अनुच्छेद लिखने में उन्हें सहयोग दें।

सूझ-बूझ/जीवन कौशल

- पानी की बचत कैसे की जाए इसके लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं। छात्रों को सही सुझाव के सामने ✓ तथा गलत के सामने × का चिह्न लगाने के लिए कहें।

खेल-खेल में

बच्चों से पानी बचाने के लिए कोई अच्छा सा स्लोगन लिखने के लिए कहें। जैसे–

जल है जीवन का आधार,
मत करो इसे तुम बेकार।

8. सच्चा मित्र

उद्देश्य–

- वन्य जीवों के प्रति स्नेह जागृत करना।
- वन्य प्राणियों के संरक्षण की भावना जगाना।
- रचनात्मक कौशल का विकास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ में दी गई 'पाठ से पहले' गतिविधि करवाएँ।
- बच्चों को सरकस का चित्र दिखाकर पूछें कि क्या वे कभी सरकस देखने गए हैं? वहाँ क्या-क्या देखा? सरकस में काम करने वाले जानवर कैसा व्यवहार करते हैं? आदि। फिर उन्हें बताएँ कि आज हम ऐसी कहानी पढ़ने जा रहे हैं जिसमें सरकस में काम करने वाले जानवरों का ज़िक्र है।
- सी. डी. चलाकर पाठ सुनवाएँ तथा दिखाएँ। बच्चों से ध्यानपूर्वक पाठ सुनने के लिए कहें।
- सी. डी. बीच में रोककर छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- पाठ समाप्त होने पर छात्रों से पूछें कि उन्हें पाठ कैसा लगा? पाठ से क्या सीखा?
- तत्पश्चात स्वयं पाठ का भावपूर्ण आदर्श-वाचन करें। पाठ में आए कठिन शब्द बोर्ड पर लिखकर उनका अर्थ समझाएँ।
- बच्चों से भी पाठ के अंशों का आदर्श वाचन करवाएँ।
- सी. डी. में दिए गए अभ्यास कार्य बच्चों से करवाएँ। पुस्तक के अन्य अभ्यास कार्यों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।
- अपनी निगरानी में पाठ के अभ्यास कार्य छात्रों से कक्षा में ही करवाएँ। आवश्यकता के अनुसार उन्हें सहयोग और परामर्श दें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बंदरों का स्वभाव कैसा होता है?

उ०– बंदर स्वभाव से नकलची और शरारती होता है। उसे लोगों की नकल करना और तरह-तरह की शरारतें करना बहुत अच्छा लगता है।

(ख) लड़के ने क्या कहकर माँ से अठन्नी माँगी?

उ०– लड़के ने अपनी माँ से कहा कि उसे सरकस का बंदर मिट्ठू खरीदने के लिए अठन्नी चाहिए। यदि उसने मिट्ठू को नहीं खरीदा तो वह न जाने कहाँ चला जाएगा और फिर वह उसे नहीं देख पाएगा।

(ग) मिट्ठू ने किस प्रकार गोपाल की जान बचाई?

उ०– जब गोपाल मिट्ठू को ढूँढ़ रहा था, तब वह अनजाने में चीते के पिंजरे के पास चला गया। चीता उसे पकड़कर अंदर खींचने ही वाला था कि मिट्ठू ने आकर उसके पंजे पर अपने दाँतों से हमला कर दिया। गुस्से में आकर चीते ने अपना दूसरा पंजा बाहर निकाल कर मिट्ठू को मारा। वह घायल होकर वहीं गिर पड़ा। गोपाल की जान समय-बचाते वह खुद घायल हो गया।

2. कहानी के अनुसार वाक्यों को सही क्रम से लगाइए–

1. लखनऊ में एक सरकस कंपनी आई।
2. गोपाल मिट्ठू को केले, चने, मटर खिलाता था।
3. गोपाल ने माँ से अठन्नी माँगी।
4. गोपाल ने मालिक से पूछा, "क्या वह अठन्नी में मिट्ठू को बेचेगा?"
5. चीते ने गोपाल को पंजे से पकड़ने की कोशिश की।
6. मिट्ठू घायल होकर गिर पड़ा।
7. मालिक ने गोपाल को मिट्ठू दे दिया।

3. किसने कहा? किससे कहा? कब कहा?

(क) सरकस के मालिक ने गोपाल से कहा। जब गोपाल ने अठन्नी के बदले मिट्ठू को खरीदने की बात की।

(ख) गोपाल ने अपनी माँ से कहा। जब वह अपनी माँ से अठन्नी माँग रहा था।

4. पठित गद्यांश

(क) सरकस में कौन-कौन जानवर थे?

उ०– सरकस में बंदर, शेर, भालू, चीता और अन्य कई जानवर थे।

(ख) लड़के किस जानवर को अधिक पसंद करते थे?

उ०– लड़के मिट्ठू नाम के बंदर को अधिक पसंद करते थे।

(ग) गोपाल रोज़ क्या करता था?

उ०– गोपाल रोज़ सरकस जाता और मिट्ठू के पास घंटों चुपचाप बैठा रहता। वह उसके लिए चने, मटर, केले आदि भी ले जाता था।

भाषा का संसार

1. उचित विशेषण शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

(क) माँ ने मोहन को **पचास** पैसे दिए।

(ख) बगीचे में **रंग-बिरंगे** फूल खिले थे।

(ग) बंदर **नकलची** होता है।

(घ) **शरारती** बच्चे ने गमला तोड़ दिया।

(ङ) सरिता ने **सुंदर** चित्र बनाया।

2. **पढ़िए, समझिए और लिखिए–**

एक **गिलास** पानी

एक **कप** चाय

एक **चम्मच** चीनी

एक **बूँद** शहद

कल्पना की दुनिया

पाठ तथा छात्रों के पूर्व ज्ञान को आधार बनाते हुए चित्रों व शब्द संकेतों की सहायता से सरकस के संबंध में प्रश्न पूछें। छात्रों से प्राप्त जानकारी को सुव्यवस्थित लिखित रूप देने में उन्हें सहयोग दें।

सूझ-बूझ/जीवन कौशल

जब बच्चे चिड़िया घर जाते हैं, तब वे पशु-पक्षियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। उन्हें उचित के सामने ✓ अनुचित के सामने ✕ का चिह्न लगाने को कहें।

9. जन्मदिन का उपहार

उद्देश्य–

- विज्ञान अध्ययन के लिए प्रेरित करना।
- आविष्कार/आविष्कारों की जानकारी देना।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- रचनात्कता जागृत करना।

सहायक सामग्री– कुछ आविष्कारकों एवं उनके आविष्कारों के चित्र दर्शाते फ्लैश कार्ड, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ आरंभ करने से पहले रोचक भूमिका बनाएँ। बच्चों से प्रश्न पूछें कि क्या वे जानते हैं कक्षा में चल रहे पंखे का आविष्कार किसने किया? दीवार पर लगा बल्ब जो हमें प्रतिदिन प्रकाश देता है, उसका आविष्कारक कौन हैं? आज जिस साइकिल पर बैठते हैं वह किसने बनाई? फिर बच्चों को आविष्कारकों तथा उनके द्वारा किए गए आविष्कारों के चित्र दिखाएँ और उनके संबंध में थोड़ी-थोड़ी जानकारी दे।
- छात्रों से पुस्तक में दिए 'पाठ से पहले' अभ्यास करने को कहें। और उन्हें बताएँ कि आज का पाठ साइकिल के बारे में हैं।
- सी.डी. चलाकर पाठ सुनवाएँ तथा दिखाएँ। बच्चों से कहें कि वे ध्यानपूर्वक पाठ सुनें।
- सी.डी. बीच में रोक कर उनसे छोटे-छोटे प्रश्न पूछें जिससे पाठ में उनकी सहभागिता सुनिश्चित हो सकें।
- तत्पश्चात स्वयं पाठ का आदर्श-वाचन करें तथा पंक्तियों का भाव भी स्पष्ट करें।
- कठिन शब्द बोर्ड पर लिखकर उनका अर्थ बताएँ।
- बच्चों से पाठ का आदर्श वाचन करवाएँ।
- आवश्यकतानुसार उच्चारण में संशोधन करें।
- पाठ में दिए गए सभी अभ्यास प्रश्नों पर छात्रों के साथ विचार-विमर्श करें।
- अभ्यास पुस्तिका का समस्त कार्य अपनी निगरानी में ही कक्षा में बच्चों से करवाएँ। यथोचित मार्गदर्शन और परामर्श दें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) समीर ने उपहार देखकर क्या कहा?

उ०– साइकिल देखकर समीर बहुत प्रसन्न हुआ और उसने खुश होकर नाना जी से कहा कि सभी दोस्तों के पास साइकिल है। अब वह भी अपने दोस्तों के साथ खूब साइकिल चलाएगा।

(ख) हॉबी हॉर्स कैसा दिखाई देता था?

उ०– हॉबी हॉर्स में एक लंबा डंडा होता था, जिसके दोनों ओर एक-एक पहिया लगा होता था। उसे चलाने में बहुत कठिनाई होती थी।

(ग) हॉबी हॉर्स में किस-किसने सुधार किए?

उ०– हॉबी हॉर्स में जर्मनी एक इंजीनियर बैटन ट्राइस ने और मैकमिलन ने सुधार किए और आगे चलकर फ्रांस के मिचैक्स नाम के एक इंजीनियर ने साइकिल को सुंदर और आरामदायक बनाया।

2. पाठ के घटनाक्रम को सही क्रम से लगाइए–

1. समीर ने दरवाज़ा खोला। नाना-नानी के पैर छुए।
2. नाना-नानी ने समीर को साइकिल दी।
3. साइकिल के आविष्कार से पहले हॉबी हॉर्स का प्रयोग होता था।
4. हॉबी-हॉर्स में पैंडल नहीं थे।
5. मैकमिलन की साइकिल में पैडल थे।
6. 1882 ई० में फ्रांस के इंजीनियर ने साइकिल बनाई।
7. भारत सबसे अधिक साइकिल बनाने वाला एक देश बन गया।
8. नानी ने कहा– "केक काटने का समय हो गया।"

3. किसने कहा? किससे कहा? कब कहा?

(क) नानी जी ने सभी से कहा।
जब केक काटने का समय हो गया तब कहा।

(ख) पवन ने नानाजी से कहा।
जब नानाजी बताया कि हॉबी हॉर्स में बहुत सुधार किए गए।

भाषा का संसार

1. शुद्ध वर्तनी पर गोला लगाइए–

(क) आशीर्वाद (ख) प्रतियोगिता

(ग) साइकिल (घ) क्योंकि

(ङ) दूरदर्शन

2. पाठ में आए शब्दों को उचित स्थान पर लिखिए–

(क) नई-नई खोज करना – अविष्कार

(ख) एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ – प्रतियोगिता

(ग) जो आजकल के समय का हो – आधुनिक

(घ) बहुत खुश होना – चहकना

3. वाक्यों में आए संज्ञा शब्दों पर गोला लगाइए–

(क) समीर ने दौड़कर दरवाज़ा खोला।

(ख) नानाजी हॉबी हॉर्स कैसा होता था?

(ग) समीर के मित्र कबीर पवन और शालू भी आए।

(घ) जर्मनी के एक इंजीनियर ने कई तरह के मॉडल बनाए।

4. शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

बेटा	–	बेटे	पहिया	–	पहिए
कहानी	–	कहानियाँ	दरवाज़ा	–	दरवाज़े
बात	–	बातें	बच्चा	–	बच्चे

कल्पना की दुनिया

छात्रों से बात-चीत करते हुए पूछें कि उनका जन्म कब आता है? वे अपना जन्मदिन कैसे मनाते हैं? किसे बुलाते हैं? आदि। बच्चों द्वारा प्राप्त जानकारी को व्यवस्थित रूप दें तथा अनुच्छेद लिखने में उन्हें यथा संभव सहयोग भी दें।

सूझ-बूझ/जीवन कौशल

छात्र घर में मेहमान आने पर किस प्रकार का व्यवहार करते हैं? यह जानने के लिए दी गई सूची में ✓ / ✗ का चिह्न लगवाएँ।

इस आधार पर उचित व्यवहार कैसा होना चाहिए, यह भी बताएँ।

10. कंप्यूटर है मतवाला

उद्देश्य–

- कंप्यूटर एवं आधुनिक तकनीक का महत्त्व समझना।
- काव्य-सौंदर्यानुभूति।
- भाषायी कौशलों का विकास।

सहायक सामग्री– कंप्यूटर, सी.डी., श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण संकेत–

- कक्षा में अथवा घर में कंप्यूटर का प्रयोग छात्र अवश्य करते होंगे। उनके पूर्व ज्ञान को आधार बनाते हुए भूमिका बनाएँ। उनसे प्रश्न पूछें–कंप्यूटर किसने बनाया? इसके कितने भाग होते है? कौन सा भाग क्या काम करता है? उन्हें पुस्तक में दिया गया पूर्वाभ्यास 'पाठ से पहले' करने के लिए कहें।
- सी. डी. चलाकर कविता सुनवाएँ तथा दिखाएँ।
- बच्चों से अनुकरण-वाचन लयात्मक करने के लिए कहें।
- कविता में आए कठिन शब्द बोर्ड पर लिखें और उनका शुद्ध उच्चारण बच्चों से करवाएँ। शब्दों के अर्थ व व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ।
- अब स्वयं कविता का लयात्मक वाचन करें और बच्चों से भी करवाएँ कविता का भाव समझाएँ।
- छात्रों से कविता कंठस्थ करके अगले दिन कक्षा में सुनाने के लिए कहें।
- सी. डी. चलाकर कविता के अभ्यास प्रश्न बच्चों से करवाएँ ताकि पाठ में उनकी रूचि बनी रहें।
- पाठ में दिए गए अन्य प्रश्नों के उत्तर बच्चों से निकलवाने का प्रयास करें। छात्रों को आवश्यकतानुसार सहयोग और परामर्श देते हुए सभी अभ्यास कार्य कक्षा में ही करवाएँ।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कंप्यूटर के मुख्य भागों के नाम लिखिए।

उ०– कंप्यूटर के पाँच मुख्य भाग हैं – मॉनिटर, सी. पी. यू., की-बोर्ड, प्रिंटर तथा माउस।

(ख) कंप्यूटर के निम्नलिखित भाग क्या काम करते हैं?

उ०– 1. मॉनीटर – यह कंप्यूटर पर किया जाना काम दिखाता है।

2. सी.पी.यू. – यह कंप्यूटर का दिमाग होता है। इससे सारे प्रोग्राम चलते हैं।

3. की-बोर्ड – यह टाइप करने के काम आता है।

4. माउस – यह सी. पी. यू. को आदेश देने का काम करता है।

5. प्रिंटर – यह जानकारी को छापने का काम करता है।

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

चलते इससे हैं प्रोग्राम।
सी. पी. यू. है इसका नाम।
गतिविधियाँ सब दिखलाता है।
यह मॉनीटर कहलाता है।
सुंदर रंग हैं– न्यारे–न्यारे
आँखों को लगते हैं प्यारे
की–बोर्ड में कुँजी बहुत समाई
टाइप इनसे करना भाई
सोच समझ कर बटन दबाना।
हिंदी–इंग्लिश लिखते जाना।

भाषा का संसार

1. 'ऑ' की मात्रा के अन्य चार शब्द लिखिए–

डॉक्टर, चॉक, कॉफ़ी, टॉफ़ी

2. पहला वर्ण बदलकर शब्द लिखिए–

साथ	–	हाथ	मिलाना	–	पिलाना
बड़ा	–	कड़ा	भाग	–	राग
मगन	–	गगन	प्यारा	–	न्यारा

3. पढ़िए, समझिए, लिखिए–

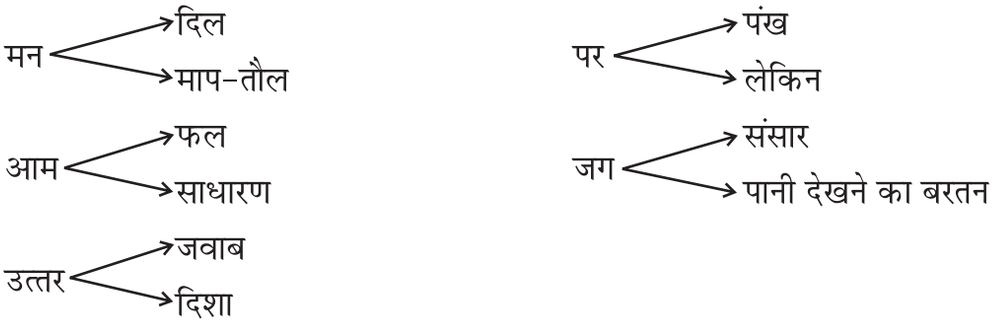

कल्पना की दुनिया

- बच्चों से पूछें कि वे दिन में कितने घंटे टी. वी. देखते हैं? कौन–कौन से कार्यक्रम पसंद हैं? टी. वी. पर हम क्या–क्या देख सकते हैं?
- अब उन्हें टेलीविजन के विषय में दिए सहायक शब्दों का प्रयोग करते हुए एक अनुच्छेद लिखने के लिए कहें।
- आवश्यकतानुसार छात्रों का मार्गदर्शन करें और उन्हें सहयोग दें।

सूझ-बूझ/जीवन कौशल

- वर्तमान समय में बच्चे कंप्यूटर का प्रयोग अधिक करने लगे हैं। उसके लाभ और हानियों से उन्हें परिचित करवाना आवश्यक है।
- कक्षा में कंप्यूटर के लाभ और हानियों पर चर्चा करें। नेट का प्रयोग करते समय किन बातों का ध्यान रखें ये भी बताएँ।

खेल-खेल में

- कंप्यूटर के विभिन्न भागों से छात्र पूर्व परिचित है। अत: उन्हें चित्र बनाने में कठिनाई नहीं होगी।
- कक्षा में कंप्यूटर दिखाकर अथवा प्रोजेक्टर पर कंप्यूटर दिखाकर उसका चित्रण छात्रों से करवाएँ। कंप्यूटर के भागों के नाम भी लिखवाएँ।

आइए, यह भी जानें

- कंप्यूटर से संबंधित दी गई रोचक जानकारी बच्चों को बताएँ। अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए दिए गए वेब लिंक का प्रयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।

11. अनोखी पाठशाला

उद्देश्य–

- प्रकृति प्रेम के लिए प्रेरित करना।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- रचनात्मकता जागृत करना।

सहायक सामग्री– सी. डी., कंप्यूटर, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण संकेत–

- छात्रों से पुस्तक में दिया गया पूर्वाभ्यास 'पाठ से पहले' करवाएँ। अब इस विषय पर उनके साथ चर्चा करें।
- उन्हें बताएँ कि आज हम इसी विषय से संबंधित कहानी पढ़ेंगे।
- सी. डी. चलाकर पाठ सुनवाएँ और दिखाएँ।
- बच्चों को पाठ ध्यान से सुनने के लिए कहें।
- पाठ के कठिन शब्द बोर्ड पर लिखकर स्वयं उनका शुद्ध उच्चारण करें और बच्चों से भी करवाएँ। शब्दों के अर्थ स्पष्ट करें तथा उनका व्यावहारिक प्रयोग बताएँ।
- बीच-बीच में छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- पाठ समाप्त होने पर छात्रों से उनकी प्रतिक्रिया जानें। संदेश पर चर्चा करें।
- स्वयं पाठ के छोटे-छोटे अंशों का आदर्श वाचन करवाएँ। शुद्ध उच्चारण पर विशेष बल दें।
- सी.डी. चलाकर पाठ के अभ्यास कार्य करवाएँ।
- पुस्तक में दिए गए अन्य प्रश्नों पर छात्रों के साथ चर्चा करें।
- अंत में लिखित कार्य आरंभ करवाएँ।
- अतिरिक्त कार्य पत्रिका के अभ्यास की फ़ोटो कॉपी कराकर बच्चों को गृहकार्य/कक्षाकार्य के रूप में करने के लिए दें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भालू के पढ़ाने का क्या असर हुआ?

उ०– भालू के पढ़ाने से पशु-पक्षियों का व्यवहार बदलने लगा। सब एक-दूसरे की मदद करते। सबकी सुनने, बोलने और पढ़ने की क्षमता बढ़ गई। उन्हें अब समूह में रहना आ गया।

(ख) भालू ने परीक्षा लेने की क्यों सोची?

उ०– भालू देखना चाहता था कि जानवरों ने साल भर में क्या-क्या सीखा हैं?, कितना सीखा और किसने सबसे अधिक सीखा। इसलिए उसने परीक्षा लेने की सोची।

(ग) शिक्षक भालू ने कौन-कौन सी परीक्षाएँ लीं? किस परीक्षा में कौन जीता?

उ०– शिक्षक भालू ने दीवार पर चढ़ने, पेड़ पर चढ़ने, मैदान में चक्कर लगाने, पत्थर हटाने की परीक्षाएँ ली। पहली प्रतियोगिता में छिपकली जीती, दूसरी प्रतियोगिता में पक्षी जीते, तीसरी प्रतियोगिता में खरगोश और कुत्ता जीते अंतिम प्रतियोगिता में हाथी जीत गया।

(घ) सबने परीक्षा का बहिष्कार क्यों किया?

उ०– सबको परीक्षा लेने का तरीका पसंद नहीं आया। इस प्रतियोगिता से अब एक दूसरे के शत्रु बन रहे थे, इसलिए सबने परीक्षा का बहिष्कार कर दिया।

2. किसने कहा? किससे कहा? कब कहा?

(क) भालू ने अपने छात्रों से कहा
जब उसने परीक्षा लेने की बात की।

(ख) मधुमक्खी ने भालू से कहा।
सभी जानवरों को निराश देखकर कहा।

(ग) खरगोश ने भालू से कहा।
जब भालू ने परीक्षा लेने की बात की।

भाषा का संसार

1. द्वित्व व्यंजनों से दो-दो शब्द बनाइए–

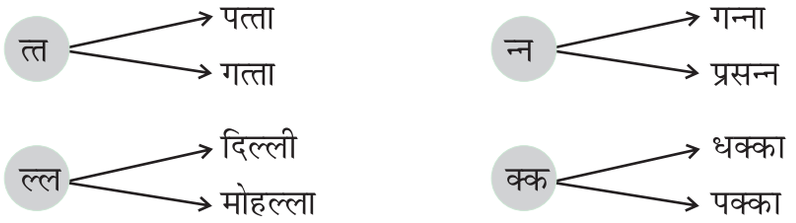

2. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) तैर (ख) सैर (ग) मैले (ग) भैया (घ) बेल

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) पाठशाला (ख) शाकाहारी (ग) चित्रकार (घ) मांसाहारी (ङ) शिक्षक

कल्पना की दुनिया

➢ बच्चों से पूछें कि उन्हें अपनी पाठशाला कैसी लगती है? वे यहाँ क्या-क्या सीखते हैं? पाठशाला की कौन-सी बात उन्हें सबसे अधिक भाती हैं? पाठशाला में क्या-क्या है? आदि। फिर उनके विचारों को व्यवस्थित रूप दें और अनुच्छेद लिखने में उन्हें सहयोग दें।

सूझ-बूझ/जीवन कौशल

➢ अधिकतर बच्चे परीक्षा के नाम से घबराते हैं छात्रों से पूछें कि उन्हें भी जंगल के जानवरों की तरह परीक्षा से डर लगता है? क्यों? फिर उन्हें बताएँ प्रतिदिन पढ़ने का अभ्यास करने से परीक्षा से भय नहीं लगेगा।

12. चाँद की हठ

उद्देश्य–

- मानवीय मूल्यों पर बल देना।
- खगोलीय अध्ययन को प्रोत्साहन।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- रचनात्मकता जागृत करना।

सहायक सामग्री– सी.डी., कंप्यूटर, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि, चाँद के घटते-बढ़ते क्रम को दर्शाता चार्ट आदि।

शिक्षण संकेत–

- कविता आरंभ करने से पहले भूमिका बनाएँ।
- उनसे पूछें उन्हें चाँद कैसा दिखाई देता है? क्या उसका आकार सदा एक समान रहता है? उन्हें चाँद के घटते-बढ़ते क्रमवाला चार्ट दिखाएँ और उसके दोनों पक्षों की जानकारी दें। 'कविता से पहले' पूर्वाभ्यास करवाएँ।
- चंदा को मामा कहते है, फिर वह मामा की तरह कपड़े क्यों नहीं पहनता?
- फिर उन्हें बताए कि आज की कविता पढ़कर हम जानेंगे कि चाँद कपड़े क्यों नहीं पहनता और जिद करना अच्छी आदत नहीं होती।
- सी.डी. चलाकर बच्चों को कविता सुनवाएँ और दिखाएँ। उन्हें ध्यानपूर्वक कविता सुनने के लिए कहें। कविता में आए कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखकर उनका शुद्ध उच्चारण करें और बच्चों से भी करवाएँ। शब्दों के अर्थ बताकर उनका व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ।
- तत्पश्चात स्वयं कविता का लयबद्ध वाचन करें। बच्चों से अनुकरण वाचन करवाएँ। कविता की पंक्तियों का भाव समझाएँ।
- छात्रों को कविता कंठस्थ करके कक्षा में सुनाने को कहें।
- सी.डी. चलाकर कविता से संबंधित अभ्यास कार्य करवाएँ।
- कविता के अन्य प्रश्नों पर छात्रों के चर्चा करें तथा उनके उत्तर अभ्यास पुस्तिका में लिखने को कहें। यह कार्य अपनी निगरानी में कक्षा में ही करवाएँ। आवश्यकतानुसार सहयोग और परामर्श दें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चाँद ने अपनी माँ से झिंगोला सिलवाने की ज़िद क्यों की?

उ०– चाँद को सरदी के मौसम में यात्रा करते समय बहुत ठंड लग रही थी। सरदी से बचने के लिए उसने अपनी माँ से एक झिंगोला सिलवाने की ज़िद की।

(ख) चाँद की झिंगोला क्यों नहीं सिलवाया जा सकता?

उ०– चॉद का आकार सदा घटता-बढ़ता रहता है। वह कभी एक जैसा नहीं दिखाई देता। इसी कारण उसके शरीर नाप लेना और झिंगोला सिलना आसान नहीं हैं।

(ग) कुछ लोग जल्दी चिढ़ जाते हैं। यदि चाँद भी चिढ़ जाता, तो माँ को क्या जवाब देता?

उ०– चाँद अपनी माँ से कहता कि मैं घटता-बढ़ता रहता हूँ, तो इसमें मेरा क्या दोष है। आप मेरे अलग-अलग नाप के कई झिंगोले सिलवा दीजिए।

भाषा का संसार

1. आवाज का सही मिलान कीजिए–

दरवाज़ा – चर्र-चर्र
सिक्के – खन-खन
बूँदें – टप-टप
खर्राटे – खर्र-खर्र
घंटी – टन-टन
टेलीफ़ोन – ट्रिन-ट्रिन

2. दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द कविता से ढूँढ़कर लिखिए–

रात्रि	– रात	ठंड	– सरदी	ईश्वर	– भगवान
नेत्र	– आँख	पवन	– हवा	ऋतु	– मौसम
ज़िद	– हठ	आकाश	– आसमान		

3. विलोम शब्द कविता से ढूँढ़कर लिखिए–

दिन	– रात	जमीन	– आसमान
लंबा	– चौड़ा	बड़ा	– छोटा
घटता	– बढ़ता	पतला	– मोटा

कल्पना की दुनिया

- बच्चों से पूछिए चाँद ठंडा होता है और सूरज गरम चाँद घटता-बढ़ता है, परंतु सूरज का आकार समान रहता है। तब वही कपड़े क्यों नहीं पहनता, क्या सूरज का कुर्ता सिल सकता है? क्यों?
- उनके विचारों को व्यवस्थित रूप देकर अनुच्छेद लिखवाइए।

सूझ-बूझ/जीवन कौशल

- बच्चों से जानिए कि क्या उन्होंने कभी किसी बात के लिए ज़िद की है? क्यों की? उसका परिणाम क्या हुआ? क्या ज़िद करना अच्छी आदत हैं?
- बच्चों से अपने अनुभव के बारे में लिखने के लिए कहें।

खेल-खेल में

- चाँद के शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के बारे में बच्चों को जानकारी दें। उससे संबंधित चित्र बोर्ड पर बनाएँ। अब बच्चों से कहें कि अभ्यास पुस्तिका में चित्रों द्वारा शुक्ल पक्ष तथा कृष्ण पक्ष दर्शाएँ।

आइए, यह भी जानें

- पाठ में दी गई रोचक जानकारी बच्चों को दें तथा दिए गए वेब लिंक का प्रयोग अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करें।

13. क्या सूरज नष्ट हो जाएगा?

उद्देश्य–

- भौगोलिक ज्ञान प्राप्त करना।
- सौर मंडल से संबंधित रोचक तथ्य जानना।
- भाषायी कौशलों का विकास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सौर मंडल का चित्र, सी. डी. कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ आरंभ करने से पहले रोचक भूमिका बनाएँ।
- बच्चों से पूछें कि उन्हे कैसे पता चलता है कि सुबह हो गई और कैसे पता चलता है कि रात हो गई?
- सौर मंडल का चित्र दिखाकर बताएँ कि हमारे सौरमंडल का मुखिया सूर्य है। सोचो यदि सूर्य न हो तो क्या होगा? आज के पाठ द्वारा हम इसी के बारे में जानेंगे।
- पाठ के आंरभ में दी गई गतिविधि 'पाठ से पहले' मिलकर गाएँ।
- सी. डी. चलाकर पाठ सुनवाएँ तथा दिखाएँ। बच्चों को पाठ ध्यानपूर्वक सुनने का निर्देश दें।
- सी. डी. रोक कर पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न बच्चों से पूछें। इस प्रकार उनकी सहभागिता सुनिश्चित हो जाएगी।
- पाठ में आए कठिन शब्द बोर्ड पर लिखकर उनका शुद्ध उच्चारण करवाएँ। शब्दों के अर्थ, विलोम, पर्याय बताएँ।
- बच्चों से पूछें कि उन्हें पाठ कैसा लगा? पाठ को संवादात्मक शैली में पढ़ें और समझाएँ।
- बच्चों से बारी-बारी अक्षय और रजत के रूप में पाठ का आदर्श वाचन करवाएँ।
- पाठ से संबंधित अभ्यास कार्य पर छात्रों के साथ विचार-विमर्श करें।
- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए सभी प्रश्न कक्षा में ही करवाएँ। प्रयास करें कि छात्र उत्तर स्वयं लिखें। आवश्यकतानुसार उन्हें सहयोग दें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) अक्षय क्यों परेशान था?

उ०– अक्षय यह सोचकर परेशान था कि सूरज अपनी एक तिहाई उम्र काट चुका है। शायद अब वह नष्ट होने वाला है। यदि ऐसा हुआ तो सारी दुनिया में अंधेरा छा जाएगा

(ख) रजत ने सूर्य और पृथ्वी के संबंध में क्या जानकारी दी?

उ०– रजत ने सूर्य और पृथ्वी के संबंध में जानकारी देते हुए अक्षय को बताया कि सूर्य धरती को पाँच अरब सालों से रोशनी दे रहा है, परंतु अभी उसकी आयु दस अरब साल बाकी है। यह पृथ्वी का सबसे निकटमत तारा है। पृथ्वी सूरज से उर्जा प्राप्त करती है।

(ग) रजत ने अक्षय को सूर्य के आकार के विषय में क्या बताया?

उ०– रजत ने अक्षय को बताया कि सूरज बहुत विशाल है। इसके गोले का घेरा 14, 00,000 किलोमीटर है। वह इतना विशाल है कि उसे अपनी धुरी पर एक चक्कर लगाने में 25 दिन लग जाते हैं।

(घ) जब सूर्य पर हाइड्रोजन समाप्त हो जाएगा तब क्या होगा?

उ०– जब सूर्य पर हाइड्रोजन समाप्त हो जाएगा, तब वह फूलने लगेगा। वह ठंडा होकर एक विशालकाय लाल तारा बन जाएगा और उसका आकार ढाई सौ गुना बढ़ जाएगा। वह बुद्ध, शुक्र और हमारी धरती को नष्ट कर देगा। धीरे-धीरे वह सिकुड़ने लगेगा। उसमें उपस्थित हीलियम के परमाणु भारी हो जाएँगे और वह सफ़ेद तारा बन जाएगा।

2. किसने कहा? किससे कहा? कब कहा?

(क) अक्षय ने रजत से कहा?

जब वह सूर्य के नष्ट होने की बात कर रहा था।

(ख) रजत ने अक्षय से कहा।

जब उसने पूछा कि फिर हम सब कैसे जिएँगे?

भाषा का संसार

1. दिए गए सर्वनाम शब्दों का उचित प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए–

(क) वह (ख) तुम (ग) तुमने (घ) मैंने, मैं (ङ) उसकी

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

विशालता – विशाल + ता

विशेषता – विशेष + ता

समझदार – समझ + दार

फलदार – फल + दार

3. का, के, की को में से उचित शब्द चुनकर खाली स्थानों में लिखिए–

(क) अमित की साइकिल नई है।

(ख) पाठशाला के पास एक तालाब है।

(ग) सान्या को प्रथम पुरस्कार मिला।

(घ) नेहा का मन बहुत उदास है।

कल्पना की दुनिया

दिए गए शब्दों की सहायता से स्वयं कविता रचिए–

सूरज चाचा आओ ना

सबका मन बहलाओ ना

दिखते हो तुम गरम

अंदर से हो बहुत नरम
छुपते जाते तो होती रात
कभी करो आकर हमसे बात
रात देखते आपकी दिन रात
कभी करो आकर हमसे बात।
रात देखते आपकी दिन–रात
कभी तो होगी तुमसे बात

सूझ–बूझ/जीवन कौशल

पर्यावरण के प्रति सजग नागरिक बनने के लिए हमें क्या करना चाहिए? दी गई सूची बच्चों को भरने के लिए कहें।

(क) पानी की बचत होगी।
(ख) प्लास्टिक का प्रयोग कम होगा।
(ग) बिजली की बचत होगी।
(घ) सफ़ाई रहेगी।
(ङ) ध्वनि प्रदूषण बढ़ेगा।

खेल–खेल में

- बच्चों से कहें कि पाठ में दिए गए वेब लिंक और गूगल/विकिपीडिया से जानकारी प्राप्त करके दी गई तालिका को पूरा करें।

आइए, यह भी जानें

- सूरज से संबंधित दी गई रोचक जानकारी पर बच्चों के साथ चर्चा करें।
- वेबलिंक का प्रयोग करके अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करें।

14. जयपुर: गुलाबी नगरी का यात्रा

उद्देश्य–

- भारत के पयर्टक स्थलों से परिचय।
- भारत के दर्शनीय स्थलों के पयर्टन हेतु प्रोत्साहन।
- सृजनात्मकता जागृत करना।
- भाषायी कौशलों का विकास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर, जयपुर के कुछ दर्शनीय स्थलों के चित्र आदि।

शिक्षण संकेत–

- बच्चों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछकर पाठ की भूमिका बनाएँ।
  - आपको घूमना कैसा लगता है?
  - कहाँ घूमने जाते हैं?
  - गरमी की छुटटियों में कहाँ गए थे? आदि
- जयपुर के दर्शनीय स्थलों के चित्र दिखाकर बच्चों से उन्हें पहचानने के लिए कहें।
- अब उन्हें बताए कि आज हम पाठ के माध्यम से जयपुर की यात्रा करेंगे।
- सी. डी. चलाकर पाठ सुनवाएँ तथा दिखाएँ। बच्चों से ध्यानपूर्वक सुनने को कहें। पाठ के बीच में उनसे छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- कठिन शब्द बोर्ड पर लिखें और उनका शुद्ध उच्चारण करवाएँ।
- शब्दों के अर्थ, पर्याय और विलोम शब्दों से भी बच्चों को अवगत कराएँ।
- बच्चों से पूछें कि पाठ कैसा लगा?
- तत्पश्चात स्वयं पाठ का आदर्श वाचन करें। पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें।
- पाठ के बीच में छोटे-छोटे प्रश्न पूछकर छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित करें।
- छात्रों से पाठ के अंशों का आदर्श वाचन करवाएँ। उच्चारण की शुद्धता पर विशेष बल दें।
- सी. डी. चलाकर पाठ से संबंधित अभ्यास कार्य छात्रों से करवाएँ।
- पाठ के अन्य प्रश्नों पर चर्चा करें और अपने निरीक्षण में बच्चों से लिखित कार्य कक्षा में करवाएँ।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) 'उसने' कुंड में छलाँग लगाई और उस बच्चे के पास पहुँच गया।

(अ) यहाँ 'उसने' कौन हैं?

उ०– यहाँ 'उसने' एक साहसी व्यक्ति है।

(ब) उसने कहाँ छलाँग लगाई?

उ०– उसने कुंड में छलाँग लगाई।

(स) उसने छलाँग क्यों लगाई?

उ०– उसने डूबते हुए बच्चे को बचाने के लिए कुंड में छलाँग लगाई।

(द) वह बच्चे के पास क्यों पहुँचा?

उ०– बच्चे के हाथ से जंजीर छूट गई थी। वह पानी में डूब रहा था। उसे बचाने के लिए वह उसके पास पहुँचा।

(ख) आमेर पहुँचकर बच्चों ने क्या देखा?

उ०– आमेर पहुँचकर बच्चों ने आमेर का किला देखा। वे हाथी पर बैठकर किला देखने गए। वहाँ एक बड़ा पार्क भी था।

(ग) 'गलता मंदिर' में क्या घटना घटी? अपने शब्दों में लिखिए।

उ०– जब सब गलता मंदिर देख रहे थे तब अचानक एक बच्चा जल कुंड में गिर गया। उसे बचाने के लिए एक व्यक्ति पानी में कूद गया और उसे सुरक्षित बाहर निकाल लाया उसके इस कारनामे को देखकर सबने ताली बजाई।

(घ) बच्चों ने जयपुर यात्रा के दौरान क्या-क्या देखा? आपको सबसे अच्छा क्या लगा? क्यों?

उ०– बच्चों ने जयपुर यात्रा के दौरान आमेर का किला, हवा महल, राजमंदिर और गलता मंदिर देखा। हमें आमेर का किला/हवा महल/गलता मंदिर अच्छा लगा।

क्यों का उत्तर छात्र स्वयं लिखेंगे।

2. पाठ के अनुसार घटनाओं को सही क्रम दीजिए–

(1) जय, समीरा और भाव्या अपने माता-पिता के साथ जयपुर की सैर पर निकले।

(2) बच्चों ने पहाड़ पर बना आमेर का किला देखा।

(3) बच्चे 'आ-आ' की आवाजें करके कबूतरों के बीच घुस जाते।

(4) जय के पिता जी सबको लेकर 'गलता मंदिर' पहुँचे।

(5) बच्चा कुंड में गिर गया।

(6) आदमी ने बच्चे को उसकी माता को पकड़ा दिया।

भाषा का संसार

1. रिक्त स्थानों में उचित शब्द भरिए–

(क) समीरा से पहले जय गाड़ी में चढ़ गया।

(ख) गलता मंदिर के बीच एक कुंड था।

(ग) सभी बच्चे पिता के पीछे चल दिए

(घ) भव्या अपने परिवार के साथ घूमने जा रही थी।

(ङ) जय ने समीरा के लिए एक सुंदर उपहार खरीदा।

2. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

(क) हम (ख) वह (ग) वे (घ) उनके (ङ) उन्होंने

3. 'ऋ' की मात्रा वाले चार शब्द लिखिए–

वृक्ष, कृपा, कृपया, प्रकृति

4. पशु-पक्षियों की आवाज़े लिखिए–

चिड़िया	–	चीं-चीं	तोता	–	टाँय -टाँय
कुत्ता	–	भौं-भौं	बिल्ली	–	म्याऊँ-म्याऊँ
घोड़ा	–	हिन-हिन	कौवा	–	काँव-काँव
गाय	–	बाँ-बाँ			

कल्पना की दुनिया

- बच्चों से पूछें कि पिछली छुट्टियों में वे कहाँ गए थे? किसके साथ गए? जाने से पहले क्या-क्या तैयारियाँ करनी पड़ी? वहाँ किस वाहन से गए? क्या-क्या देखा? और उन्हें उस जगह जाकर कैसा लगा?
- अब उन्हें निर्देश दें कि अपने इन विचारों को क्रम से लिखें।
- आवश्यकतानुसार बच्चों को सहयोग और परामर्श देते जाएँ।
- कठिन शब्दों की वर्तनी बोर्ड पर लिख दें।